

[This question paper contains 6 printed pages.]

1248

Your Roll No. ....

आपका अनुक्रमांक \_\_\_\_\_

LL.B.

JS

III Term

Paper LB-3035 : CARRIAGE BY LAND, SEA AND AIR  
AND LAW RELATING TO MOTOR VEHICLES

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित  
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi; but  
the same medium should be used throughout the paper..

टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में  
दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt Five questions including  
Question No. 1 which is compulsory.

All questions carry equal marks.

अनिवार्य प्रश्न क्रमांक 1 सहित कुल पाँच प्रश्न कीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Answer any four of the following :

- (i) 'Hit and Run' motor accidents
- (ii) 'Owner's risk rate' and 'Railways' risk rate' in carriage by rail
- (iii) 'Air way bill'
- (iv) 'Solasium fund scheme' under Motor Vehicles Act, 1988
- (v) Implied conditions of 'contract of affreightment'

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए :-

- (i) मारकर दौड़ जाना मोटर दुर्घटनाएँ
- (ii) रेल द्वारा वहन में स्वामी जोखिम रेट और रेलवे जोखिम रेट
- (iii) 'विमान मार्ग-पत्र'
- (iv) मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अधीन 'तोषण निधि योजना'
- (v) 'माल वहन करने के लिए पोत तय करने की संविदा की विवक्षित शर्तें

2. Explain the nature of liability of Railway authorities in the case of a passenger accidentally falling from a passenger train. Cite decided cases to support your views.

यात्री ट्रेन से संयोगवश गिर जाने वाले यात्री के मामले में रेल प्राधिकारियों के दायित्व की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए। अपने विचारों की पुष्टि में विनिश्चित मामलों से उदाहरण दीजिए।

3. An agricultural labourer, aged 35 years who was earning Rs. 50 per day, was hit by a state transport service bus and he succumbed to his injuries. He was survived by his parents, wife and three minor children who had jointly filed a suit for compensation under the Motor Vehicles Act, 1988. Determine a just and fair amount of compensation payable to them by applying the appropriate method of calculation. Give reasons for your decision with the help of relevant case law.

35 वर्षीय एक कृषि मजदूर जो 50 रु. प्रति दिन कमाता था, उसकी राज्य परिवहन सेवा की एक बस से टक्कर हो गई और चोटों के कारण उसकी मृत्यु हो गई। उसके माता-पिता, पत्नी और तीन अवयस्क बच्चे उसके उत्तरजीवी थे जिन्होंने मोटर वाहन अधिनियम 1988 के अधीन संयुक्त रूप से प्रतिकर का वाद चलाया। उपयुक्त परिकलन विधि के प्रयोग द्वारा उन्हें देय प्रतिकर की न्यायसंगत और उचित राशि का अभिनिर्धारण कीजिए। सुसंगत निर्णय विधि की सहायता से अपने विनिश्चय के लिए तर्क दीजिए।

4. "An air carrier cannot avail the benefit of the provisions of the Carriage by Air Act, 1972, which limit its liability in case of loss or damage to goods carried by air, if such loss or damage has occurred due to the wilful misconduct on the part of the carrier." Elucidate.

'कोई वायुवाहक विमानवहन अधिनियम, 1972 के उपबंधों का फायदा नहीं उठा सकता, जो वायु द्वारा वहन किए गए माल की हानि या क्षति

के मामले में उसके दायित्व को सीमित कर देता है, यदि ऐसी हानि या क्षति वाहक की ओर से जानबूझकर किए गए अवचार के कारण हुई हो।' स्पष्ट कीजिए।

5. Discuss the principle of 'No fault liability' as explained in Section 140 of the Motor Vehicles Act, 1988. Does negligence on the part of the driver or the owner of the vehicle causing accident play any role in fixing the liability under this clause? Explain the legal position with the support of decided cases.

मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 140 में यथाव्याख्यायित 'दोषरहित दायित्व' के सिद्धांत का विवेचन कीजिए। क्या दुर्घटना करने वाले वाहन के चालक अथवा स्वामी की ओर से उपेक्षा इस खंड के अधीन दायित्व निश्चित करने में कोई भूमिका निभाती है? विनिश्चित मामलों की सहायता से विधिक स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

6. M/S Somerset & Co. had delivered 200 bags of tobacco to M/S. Flagship Co. a sea carrier for transporting from Mumbai to Calcutta. When the consignment was delivered at Calcutta port to the consignee, it was found that 180 bags of tobacco were damaged owing to the negligent and defective maintenance by the crew. The consignor sues the carrier for compensation for the loss. Decide the case citing relevant case law and legal provisions.

मैसर्स सॉमरसेट एंड कंपनी ने एक वायुवाहक मैसर्स फ्लैगशिप कंपनी को मुंबई से कलकत्ता वहन करने के लिए 200 बोरे तंबाकू का परिदान

किया। जब परेषिती को कलकत्ता पत्तन पर परेषण का परिदान किया गया तो पता चला कि कर्मीदल के उपेक्षापूर्ण और त्रुटिपूर्ण अनुरक्षण के कारण 180 बोरे तंबाकू को नुकसान पहुँचा था। माल भेजने वाला हानि के लिए प्रतिकर हेतु वाहक पर वाद चलाता है। सुसंगत निर्णय विधि और विधिक उपबंधों के उदाहरण देते हुए मामले का विनिश्चय कीजिए।

7. Discuss the nature of 'Act of God' as a defence available to a common carrier in case of loss or damage caused to goods carried by land or inland navigation. Explain the provisions of law applicable with decided cases.

थलीय और अंतःस्थलीय संचालन द्वारा वहन किए गए माल को हुई हानि या नुकसान के मामले में सामान्य वाहक को प्राप्त प्रतिरक्षा के तौर पर 'दैव कृत्य' के स्वरूप का विवेचन कीजिए। विनिश्चित मामलों सहित अनुप्रयोज्य विधि के उपबंधों को स्पष्ट कीजिए।

8. A tanker lorry carrying petrol met with an accident at 6 am on 12-08-2009 and it was lying turtle on the road side. There was a gathering and some people were engaged in pilfering petrol from the tanker. At 3 PM on the same day, an explosion occurred in the tanker lorry resulting in the death of a few members of the crowd. The dependents of Mr. Ravi, one among the unfortunate victims of the petrol tanker explosion filed a suit for compensation before the Motor Accident Claims Tribunal. Decide the case by analysing the probable arguments on both the sides:

12.8.2009 को प्रातः 6 बजे पेट्रोल वहन करने वाली एक टैंकर लॉरी दुर्घटनाग्रस्त हो गई और वह सड़क के किनारे उलटी पड़ी थी। वहाँ भीड़ इकट्ठी हो गई थी और कुछ व्यक्ति टैंकर से पेट्रोल चुराने में लगे थे। उसी दिन दोपहर तीन बजे टैंकर लॉरी में विस्फोट हुआ जिसके फलस्वरूप भीड़ के कुछ सदस्यों की मृत्यु हो गई। पेट्रोल टैंकर विस्फोट के दुर्भाग्यशाली पीड़ितों में से एक के आश्रित श्री रवि ने मोटर दुर्घटना दावा ट्रिब्यूनल के समक्ष प्रतिकर का वाद दाखिल किया। दोनों की तरफ से संभावित तर्कों का विश्लेषण करके मामले का विनिश्चय कीजिए।